Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—1408

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PUBLIC ADMINISTRATION** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PUBLIC ADMINISTRATION

लोक प्रशासन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the passage given below and answer the questions that follow based on your understanding of the passage.

The first and most serious problem facing the urban local bodies is the acute scarcity of finance. Generally, their sources of income are inadequate as compared to their functions. Their chief sources of income are the varied types of taxes. However, most of the income generating taxes are levied by the Union and State Governments and, the taxes collected by the urban bodies are not sufficient to cover the expenses of the services provided. Though they can impose certain new taxes, the elected members of these urban bodies hesitate in doing so for fear of displeasing their electorate. The administrative machinery, at the disposal of these local bodies, is insufficient and ineffective. The staff, which is often underpaid, indulges in corrupt practices which leads to loss of income. Quite often, failure in collecting taxes leads to accumulation of arrears running into crores of rupees. As a result, many urban bodies are on the brink of bankruptcy. Financial stringency has become the biggest hurdle for almost all municipal bodies on account of the ever-increasing expenditure on establishment which has gone up to about 60 percent of the income. Virtually no money is available for development work. Municipal committees of many small towns find it difficult even to disburse salaries to their employees on time. Many civic bodies have not been able to provide even the basic civic amenities in the areas which have been included in their jurisdiction during the last couple of decades. With the intention of helping the municipal bodies overcome their financial problems, some states have set up agencies which monitor the performance of municipal bodies and guide them regarding distribution of funds and in other financial areas. For instance, Kerala has set up the Kerala Urban Development Finance Corporation and in Gujarat, the Municipal Finance Board has been created. Such steps can be taken up in other states as well.

नीचे दिये गये परिच्छेद को पढ़िए और परिच्छेद की अपनी समझ के आधार पर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

शहरी स्थानीय निकायों के सम्मुख प्रथम और सर्वाधिक गम्भीर समस्या वित्त का तीव्र अभाव है। सामान्यतया, उनकी आय के स्रोत कार्यों की तुलना में अपर्याप्त हैं। उनकी आय के मुख्य स्रोत विभिन्न प्रकार के कर हैं। परन्तु, आय सृजन करने वाले अधिकांश कर संघीय और राज्य सरकारों द्वारा लगाये जाते हैं और शहरी निकायों द्वारा उगाहें गये कर उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं के व्यय को पूरा करने में पर्याप्त नहीं होते हैं। यद्यपि वे कुछ नये कर लगा सकते है तथापि, इन शहरी निकायों के निर्वाचित सदस्य अपने निर्वाचकों को नाराज कर देने के डर से ऐसा करने में संकोच करते हैं। इन स्थानीय निकायों के अधिकार में प्रशासनीय तन्त्र अकुशल और अप्रभावशील है।

कर्मचारीगण, जो प्राय: अल्प वेतन पाते हैं, भ्रष्टचारी गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं जिससे आय की हानि होती है। बहुधा, कर एकत्रित करने में असफलता करोड़ों रुपये तक की बकाया राशि संचित कर देती है। फलस्वरूप, बहुत से शहरी निकाय दिवालियापन के कगार पर पहुँच जाते हैं। संस्थापन पर निरन्तर बढ़ते हुए परिव्यय, जो आय का करीब 60 प्रतिशत तक बढ़ गया है, की वजह से लगभग सभी निकायों के लिये वित्त की कमी सबसे बड़ी बाधा बन गई है। वास्तव में, विकास कार्य के लिये कोई धन उपलब्ध नहीं है। बहुत से छोटे उपनगरों की नगर पालिकाओं को अपने कर्मचारियों को समय पर वेतन देने में भी कठिनाई होती है। पिछले कुछ दशकों के दौरान, कई नागरिक निकाय उन क्षेत्रों में, जो उनके अधिकार क्षेत्रों में शामिल कर दिये गये हैं, मूलभूत नागरिक सुविधायें भी प्रदान नहीं कर पाते हैं। नगर निगम निकायों को अपनी वित्तीय समस्याओं पर काबू पाने में मदद करने के उद्देश्य से, कुछ राज्यों ने अभिकरणों की स्थापना की है जो निगम निकायों के निष्पादन का प्रबोधन करेंगे और निधि के वितरण व अन्य वित्तीय क्षेत्रों के सम्बन्ध में मार्गदर्शन करेंगे। उदाहरण के लिये, केरल ने केरल नगर विकास वित्त निगम की स्थापना की है और गुजरात में, निगम वित्त बोर्ड बनाया गया है। अन्य राज्यों में भी ऐसे कदम उठाये जा सकते हैं।

1. What are the main factors responsible for the scarcity of financial resource of urban local bodies in India.

भारत में शहरी स्थानीय कार्यों के वित्तीय स्रोत की कमी के लिये उत्तरदायी कौनसे मुख्य कारक हैं?

2. What is the impact of scarcity of financial resources on the functioning of municipal bodies in India ?

भारत में नगर निकायों की क्रियाशीलता पर वित्तीय साधनों की कमी का क्या प्रभाव है?

3. What are the main functions assigned to urban local bodies by the 74th Amendment Act ?

चौहेत्तरवें संशोधन अधिनियम द्वारा शहरी स्थानीय निकायों को सौंपे जाने वाले मुख्य कार्य कौनसे हैं?

4. What are the main sources of income of urban local bodies in India ?
भारत में शहरी स्थानीय निकायों की आय के मुख्य स्त्रोत क्या हैं?

5. Suggest measures for the improvement of financial resources of urban local bodies.
शहरी स्थानीय निकायों के वित्तीय साधनों के सुधार के लिये उपायों का सुझाव दीजिये।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is the locus and focus of New Public Management ?

नव लोक प्रबन्ध की अवस्थिति और संकेन्द्रण क्या है?

7. Distinguish between delegation and decentralization.
प्रत्यायोजन और विकेन्द्रीकरण में भेद कीजिए।

8. What is the impact of modern technology on Span of Control ?
नियंत्रण के क्षेत्र पर आधुनिक प्रौद्योगिकी का क्या प्रभाव है?

9. Highlight Herzberg's interlinkage between motivation and communication.
अभिप्रेरणा और सम्प्रेषण के मध्य हर्जबर्ग के अंतर्सम्बन्ध को उजागर कीजिए।

10. What do you understand by 'zone of indifference' ?
'उदासीनता के क्षेत्र' से आप क्या समझते हैं?

11. Explain Riggsian concept of overlapping.
रिग्स की अतिव्याप्ति की अवधारणा को समझाइये।

12. Discuss the need of peoples' involvement in developmental process.
विकासात्मक प्रक्रिया में लोगों की अन्तर्ग्रस्तता की आवश्यकता की विवेचना कीजिए।

13. Make a distinction between Ministry and Department at the union level.
संघीय स्तर पर मंत्रालय और विभाग के मध्य अन्तर कीजिए।

14. Directorates are the action arms of the State Government.
निदेशालय राज्य सरकार की क्रियाशील भुजाएं हैं।

15. Distinguish between Bureaucracy and Civil Service.
नौकरशाही और लोकसेवा के मध्य अन्तर कीजिए।

16. Explain the concept of 'Gender Budgeting'.
'जेन्डर बजटिंग' की अवधारणा को समझाइये।

17. What do you understand by primary source of data collection ?
तथ्य संकलन के प्राथमिक स्रोत से आप क्या समझते हैं?

18. The District Collector is a multipurpose agency.
जिला कलैक्टर एक बहु उद्देश्यीय अभिकरण है।

19. Explain the term 'Social Justice'.
'सामाजिक न्याय' शब्द को परिभाषित कीजिए।

20. What is new in New Indian Economic Policy ?
नई भारतीय आर्थिक नीति में नया क्या है?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Critically analyse the contribution of Dror in Policy Sciences.
नीति विज्ञानों में ड्रॉर के योगदान का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

22. Elaborate the various steps of Public Policy formulation in a democratic government.
एक प्रजातांत्रिक व्यवस्था में लोक नीति निर्माण के विभिन्न सोपानों को सविस्तार बताइये।

23. Evaluate the status of Public Policy monitoring process in India.
भारत में लोक नीति प्रबोधन (अनुश्रवण) प्रक्रिया की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

24. Effective evaluation of Public Policy is the key to its success - Comment.
लोक नीति का प्रभावी मूल्यांकन उसकी सफलता का आधार है। टिप्पणी कीजिए।

25. Discuss the problems of policy formulations in the area of Education.
शिक्षा के क्षेत्र में नीति निर्माण की समस्याओं की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Describe the process of social change in India.
भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

22. 'Welfare of the people has been a constitutional and legal obligation of the state' - Comment.
'लोगों का कल्याण, राज्य का संवैधानिक और वैधानिक दायित्व रहा है।' टिप्पणी कीजिए।

23. 'Role of Voluntary Organisation in welfare activities can hardly be ignored' - Discuss.
कल्याणकारी गतिविधियों में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका की तनिक भी उपेक्षा नहीं की जा सकती है। विवेचना कीजिए।

24. Discuss the rationale of Reservation Policy in private sector.
निजी क्षेत्र में आरक्षण नीति के तर्काधार की विवेचना कीजिए।

25. Evaluate the various steps taken by the Indian Government in the Health Sector.
स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किये गये विभिन्न उपायों का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. What do you understand by economic policy ? Discuss its major components.
आर्थिक नीति से आप क्या समझते हैं? इसके मुख्य संघटकों की विवेचना कीजिए।

22. "Mixed economy is a mix of successes and failures" - Comment.
मिश्रित अर्थव्यवस्था सफलता और असफलताओं का मिश्रण है। टिप्पणी कीजिए।

23. Discuss the major shifts in the Industrial Policy of the Government of India since Independence.
स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत सरकार की औद्योगिक नीति में मुख्य परिवर्तनों की विवेचना कीजिए।

24. Discuss the future of Public Enterprises in an era of Privatisation.
निजीकरण के युग में लोक उद्यमों के भविष्य की विवेचना कीजिए।

25. 'The New Economic Policy has not helped in a balanced growth'. Comment.
नई आर्थिक नीति संतुलित विकास में सहायक नहीं हुई है। टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Discuss the scope of Local Self Government in the light of Constitution Amendments.
संवैधानिक संशोधनों के आलोक में स्थानीय स्वायत्त शासन के क्षेत्र का विवेचन कीजिए।

22. The post 73rd Constitution Amendments scenario has belied the hopes and aspirations of the people - Comment.
73 वें संविधान संशोधन के पश्चातवर्ती परिवेश ने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा नहीं किया है। टिप्पणी कीजिए।

23. Evaluate the position of Zila Parishad in the three-tier system of Panchayati Raj.
पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था में जिला परिषद की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the role of State Finance Commission in improving the financial health of the local bodies.
स्थानीय निकायों के वित्तीय स्वास्थ्य को सुधारने में राज्य वित्त आयोग की भूमिका की विवेचना कीजिए।

25. 'The challenges before the local bodies are vivid and manifold' - Comment.
स्थानीय निकायों के समक्ष चुनौतियां जीवन्त और बहुविध है। टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Explain the factors responsible for the failure of the Community Development Programme.
सामुदायिक विकास कार्यक्रम की असफलता के लिए उत्तरदायी कारकों को स्पष्ट कीजिए।

22. Despite the fact that DRDA is a registered society, it is for all practical purposes a governmental agency - Explain.

इस तथ्य के बावजूद कि डी.आर.डी.ए. एक पंजीकृत संस्था है, यह सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए सरकारी अभिकरण है। समझाइये।

23. Elaborate the role of co-operatives in enhancing rural economy.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वृद्धि में सहकारी संस्थाओं की भूमिका का विवेचन कीजिए।

24. What is the policy of the Government regarding Environmental Protection.

पर्यावरणीय संरक्षण के लिए सरकार की क्या नीति है?

25. Slums are a major hurdle in Urban Development - Comment.

मलिन बस्तियाँ शहरी विकास में मुख्य बाधा हैं। टिप्पणी कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Despite the several administrative reform measures under taken, India still suffers from maladministration - Examine.

प्रशासनिक सुधारों के कई उपायों के बावजूद भारत अभी भी कुप्रशासन से ग्रस्त है। परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Information Technology, if properly utilised, can positively change the face of the administration - Elucidate.

सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग यदि सही तरीके से किया जाय तो यह प्रशासन की आकृति को सकारात्मक रूप से बदल सकती है।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....